BSKAE**-182**

सत्रीय-कार्य

(जनवरी, 2025 और जुलाई, 2025 सत्र के लिये)

BSKAE**-182 संस्कृत साहित्य**

मानविकी विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

संस्कृत साहित्य : BSKAE-182

सत्रीय-कार्य **(2025-26)**

पाठ्यक्रम कोड : BSKAE-182/2025-26

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिये 100 अंक निर्धारित किये गये हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये:

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिये।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : ………………..

नाम : ………………

पता :………………..

दिनाँक :…………………..

पाठ्यक्रम का नाम/कोड :……………..

सत्रीय कार्य कोड :……………………

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड :………………..

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययन **:** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानी पूर्वक अध्ययन कीजिए । अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए।

2. अभ्यास **:** उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए । निबन्धात्मक या टिप्प्णी परक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए । उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए । मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढ़ग से प्रस्तुत करें । उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए ।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढ़ग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें ।

3. प्रस्तुति : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए ।

शुभकामनाओं के साथ ।

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है, अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथि:

जनवरी, 2025 सत्र के लिए : 30 सितम्बर, 2025

जुलाई, 2025 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2026

सत्रीयकार्य : BSKAE**-182** संस्कृत साहित्य

पाठ्यक्रम कोड: BSKAE - 182

पाठ्यक्रम शीर्षक : संस्कृत साहित्य

सत्रीय कार्य - BSKAE - 182/TMA/2025-26

पूर्णांक - 100

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों का अनुवाद कीजिए। 10*2=20

(1) असाधना वित्तहीना बुद्धिमन्तः सुहृत्तमा ।
साधयन्त्याशु कार्याणि काककूर्ममृगाखुवत् ।।

(2) अनिष्टादिष्टलाभेऽपि न गतिर्जायते शुभा ।
यत्रास्ते विषसंसर्गोऽमृतं तदपि मृत्यवे ।।

(3) कङ्कणस्य तु लोभेन मग्नः पङ्केः सुदुस्तरे ।
वृद्धव्याघ्रेण संप्राप्तः पथिकः स मृतो यथा ।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की व्याख्या कीजिए। 15*2=30

(क) तत्र पूर्वश्चतुर्वर्गो दम्भार्थमपि सेव्यते।
उत्तरस्तु चतुर्वर्गो महात्मन्येव तिष्ठति ।।

(ख) गताऽनुगतिको लोकः कुट्टनीमुपदेशिनीम् ।
प्रमाणयति नो धर्मे यथा गोघ्नमपि द्विजम् ।।

(ग) इज्याऽध्ययनदानानि, तपः सत्यं, धृतिः, क्षमा ।

अलोभ इति मार्गोऽयं धर्मस्याष्टविधः स्मृतः ।।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर लिखिए। 20*2=40

(1) वृद्ध-व्याघ्र और लोभी-पथिक की कथा अपने शब्दों में लिखें।

(2) नीति कथाओं के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

(3) आचार्य चाणक्य का व्यक्तित्व एवं कृतित्व लिखिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए। 5*2=10

(क) हितोपदेश

(ख) चाणक्यनीति

(ग) अम्बिकादत्त व्यास

(घ) बाणभट्ट